om-21-2014- shiv avtaran-final_Layout 4 1/20/2014 7:44 PM Page 2

आध्यात्मिकता से हार्ड पावर बदलेगी सॉफ्ट पावर में - बनेगा भारत फिर से विश्व शक्ति

पटना। विश्व शक्ति का केन्द्र एक बार फिर भारत की ओर मोड़ ले रहा है। अग्रदूत के रूप में भारत इस शक्ति का किस प्रकार उपयोग करेगा - वर्तमान समय यू.एस.ए. में प्रयोग किए जा रहे हार्ड पावर के रूप में या भारत में 2500 वर्षों से चले आ रहे सॉफ्ट पावर के रूप में, ये चिन्तन का विषय है।

उक्त उद्गार केन्या निवासी प्रसिद्ध उद्योगपति निज़ार जुमा ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित 'द फ्यूचर ऑफ पावर' कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि, जो विश्व शक्ति सॉफ्ट से आज हार्ड हो चुकी है, उसका स्थानांतरण 2500 वर्ष पूर्व भारत से हुआ और वह मिस्र, चीन, रोम, ग्रीस, यू.के. होते हुए अब अंततः अमेरिका पहुंची है। आज वह सॉफ्ट पावर बंदूकों, मूसलों एवं पैसों पर अति निर्भर है। परन्तु 2007 की आर्थिक मंदी के पश्चात् अब वह पावर फिर पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ रही है।

जुमा ने कहा, "महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हम इस शक्ति का प्रयोग कब करेंगे, परन्तु यह है कि कैसे करेंगे। हमें इस हार्ड पावर का परिवर्तन कर अब सॉफ्ट पावर वापिस लानी है। यह समस्त मनुष्य जाति के कल्याण हेतु हमें ही करना होगा। यह तभी संभव है जब हम आध्यात्मिकता को अपने जीवन में लाएंगे। एक बार हम आध्यात्मिकता को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर ही यह जान सकते हैं कि उससे क्या परिवर्तन संभव है। आज भारत के पास ही वह आध्यात्मिक शक्ति है जो हार्ड पावर को सॉफ्ट पावर में बदल सकती है। आज मानव का जीवन कठिनाइयों से भर चुका है। सवाल फिर यही उठता है: हम खुद को आंतरिक रूप से शक्तिशाली कैसे बना सकते है? पावर तो सभी को पसंद है, पर आत्मिक बल ही सब समस्याओं का समाधान है, मैंने ये ब्रह्माकुमारीज़ में आकर सीखा है। अब वही ज्ञान मैं विश्व शांति के लिए जगह-जगह फैलाने का प्रयत्न कर रहा हूं।"

पटना। 'द फ्यूचर ऑफ पावर' कार्यक्रम में कैडल लाइटिंग के पश्चात उद्योगपति निज़ार जुमा, ब्र.कु.रानी, ब्र.कु.मौरीन तथा अन्य। पटना निवासी कार्यक्रम का लाभ उठाते हुए।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित योजना एवं विकास विभाग के प्रधान सचिव विजय प्रकाश ने कहा, "भारत के पास न आर्थिक शक्ति है और न ही क्रूरता है, जिससे कि वह विश्व शक्ति कहला सके। इस कलियुग में भी भारत को रचनात्मक एवं नई सोच को ही बढ़ावा देना होगा। हमें प्रकृति के साथ समन्वय में जीने की कला सीखनी होगी। इसमें आध्यात्मिकता की महत्वपूर्ण भूमिका है।"

उन्होंने कहा कि, शक्ति का असली मतलब है कि कोई व्यक्ति कितनी ज़िंदगियों को प्रेरित कर सकता है। मधुबनी पेंटिंग बिहार की सांस्कृतिक विरासत में से एक है और वह नॉन वायलेंट है। हमारी यह संस्कृति, सॉफ्ट पावर को दर्शाती है।

डेनमार्क के सामाजिक कार्यकर्ता क्रिस्टोफर लैन्ज ने कहा कि यूरोप, जहां का मैं निवासी हूं, वहां स्पीरिचुअलिटी और रिलीजन को अपने कर्म क्षेत्र से अलग रखा जाता है लेकिन भारत में अपना कार्य आध्यात्मिक आधार पर करने में कोई संकोच नहीं करता, यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर राजयोगिनी ब्र.कु.रानी, निदेशिका ब्रह्माकुमारीज़, उत्तर बिहार ने कहा कि, भविष्य में जिन शक्तियों द्वारा यह संसार चलने वाला है, वर्तमान समय में हमें उन शक्तियों को अपने हृदय में धारण कर लेना है। यही शक्तियां हमें भविष्य में काम देंगी।

इस मौके पर फिलिप्स कंपनी के रणनीति सलाहकार एथनी एवं राजयोगिनी ब्र.कु.संगीता ने टॉक शो का संचालन किया और अतिथियों को अपने-अपने अनुभवों से अवगत कराया। टॉक शो में ए.एच.एम.दान्याल फाउण्डर सेंटर ऑफ पीस के संस्थापक, अध्यक्ष क्रिस्टोफर बैकमेन, क्रिस्टोफर लैन्ज तथा समाजसेविका वैष्णवी ने भाग लिया। इस टॉक शो का केंद्र बिन्दु था – मैं कौन हूं, कहां से आया हूं और क्या करना है जिससे विश्व में शांति स्थापित हो।

ब्र.कु.मौरीन, एन ऑफ्को तथा स्टीएना ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ब्र.कु.संगीता ने सभी को कार्यक्रम के पश्चात् शुभकामनाएं दी।

आत्म-समृति के साथ जीने से परमात्म प्यार के पात्र बनेंगे

भगवान कहते हैं कि मेरा चिंतन करने से, मेरा अनन्य भक्त बनने से तुम निश्चित रूप से मेरे पास आ जाओगे, ये मेरा वचन है। भगवान भी वचनबद्ध हो जाता है। कितना सुंदर ये एक आश्वासन मिलता है कि अगर हम ईश्वर का चिंतन करेंगे, उसके अनन्य भक्त बन जायेंगे, तो निश्चित ही ईश्वर के पास चले जायेंगे। ये भगवान का वचन है, हमारे लिए। इसलिए हे अर्जुन, सर्व धर्मों का परित्याग अर्थात् जो अनेक हद के धर्म में आ गये हैं कि ये मेरा धर्म है, ये तेरा धर्म है, या इस प्रकार की भावनाओं में हम जो आ गये हैं, तो सर्व धर्म का परित्याग करके, तुम मेरी शरण में आ जाओ। इससे श्रेष्ठ धर्म और कोई नहीं है।

धर्म माना जो हमें श्रेष्ठ आचरण करना सिखाए, धर्म माना जो जीवन में श्रेष्ठ धारणा करना सिखाए, ये है सच्चा धर्म। बाकी धर्म के नाम पर लड़ाई-झगड़े को बढ़ावा देना, ये कोई धर्म नहीं है। इसलिए भगवान कहते हैं, तुम सर्व धर्म का परित्याग करके मेरी शरण में आ जाओ, तो मैं तुम्हें सर्व पापों से मुक्त कर दूंगा। ये भी भगवान का वचन हम आत्माओं के प्रति है। सब दैहिक धर्मों को छोड़कर एक ही धर्म हमारा है कि मैं आत्मा परमात्मा की संतान हूँ और परमात्मा की संतान होने के नाते मेरे कर्म कैसे होने चाहिए, मेरी विचार धारा कैसी होनी चाहिए? मेरी जीवन की धारणायें कैसी होनी चाहिए? सब स्पष्ट हो जाती हैं।

जिस प्रकार आज एक राजा का बेटा राजकुमार है। उस राजकुमार को सिखाना नहीं पड़ता है कि तू राजा का बेटा है इसलिए तुम्हें कैसे चलना चाहिए? कैसे बोलना चाहिए? कैसे खाना चाहिए? कैसे व्यवहार करना चाहिए? सिखाया नहीं जाता है और यह सिखाने वाली बात नहीं है। लेकिन जैसे ही यह स्मृति अंदर में रहती है कि मैं राजा का बेटा राजकुमार हूँ, तो अपने आप वो संस्कार राजसी होने लगते हैं। अपने आप उसके हर बोल-चाल, व्यवहार, कर्म में वो राजसी भाव झलकने लगता है। ठीक इसी प्रकार अगर हम भी ये स्मृति में रखें कि मैं परमात्मा की संतान हूँ, इससे बड़ा धर्म और क्या हो सकता है। मैं आत्मा परमात्मा की संतान हूँ और इस स्मृति को जागृत रखें तो हमारा हर बोल-चाल, व्यवहार, कर्म कैसा होगा? क्या परमात्मा का बच्चा कहलाने जैसा मैं हूँ? स्वत: स्पष्ट हो जाता है कि इससे बड़ा आईना और कोई नहीं है कि मैं परमात्मा की संतान हूं तो मेरी विचारधारा कैसी होनी चाहिए। मेरे विचारों में किसी के प्रति द्वेष की भावना नहीं होनी चाहिए। अगर हम भगवान के बच्चे, दुनिया की सुप्रीम ऑथोरिटी, ब्रह्माण्ड के, तीनों लोकों के जो मालिक हैं, उसके हम बच्चे हैं तो हमारा उठना, बैठना, चलना, फिरना, बोलना, व्यवहार करना सब कैसा होना चाहिए? इससे बड़ा धर्म और क्या हो सकता है। इसलिए भगवान ने कितने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हे अर्जुन, सर्व धर्मों का परित्याग करके तुम मेरी शरण में आ जाओ, मैं तुम्हें सर्व पापों से मुक्त कर दूंगा। उसके लिए सहज भाव यही है कि उस स्मृति को हम जागृत करें।

भगवान ने कहा, यह गुह्य गोपनीय ज्ञान ऐसे पुरूष को कभी नहीं कहना जो आत्म-संयमी न हो, जो एकनिष्ठ न हो, जो भक्त न हो, और जो भगवान से द्वेष करता हो। उनके लिए यह गुह्य गोपनीय ज्ञान समझ में आने वाला भी नहीं है। परंतु जो पुरूष मुझसे प्रेम करके इस गुह्य ज्ञान का उपदेश मेरे भक्तों को बताता है। वह शुद्ध स्थिति को प्राप्त कर मेरे पास आएगा। इस संसार में उससे बढ़कर कोई अन्य सेवक न तो मुझे अधिक प्रिय है और न कभी होगा।

जो इस पवित्र ज्ञान का अध्ययन करता है और श्रद्धा से सुनता और सुनाता है, वह सारे पापों से मुक्त हो जाता है। वह शुभ लोकों को प्राप्त करता है जहाँ पुण्य आत्मायें निवास करती हैं। कितनी श्रेष्ठ गति को प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन उसके लिए जैसे भगवान ने कहा कि प्रतिदिन अध्ययन करने की आवश्यकता है। जब अध्ययन करने की बात आती है, तो लोग क्या कहते हैं, बहन जी चाहते तो हैं लेकिन टाइम नहीं मिलता है। टाइम का बड़ा प्रॉब्लम हो जाता है आज के युग में लोग सोचते हैं कि इतनी फास्ट हम जीवन जीते हैं। इस फास्ट लाइफ के अंदर टाइम निकालना ज्ञान सुनने के लिए प्रतिदिन, वो भी अध्ययन करने के लिए टाइम निकालना, ये तो बड़ा कठिन लगता है। मुझे एक बहुत सुंदर उदाहरण याद आता है।

एक बार एक प्रोफेसर अपने बच्चों को कुछ सिखाना चाहते थे। तो बड़ा कांच का जार लेकर के आये और गोल्फ के बॉल लेकर आए। बच्चों को कहा ये बॉल है, जो जार में भर दो। सभी ने बॉल से भर दिया जार को, तो प्रोफेसर ने कहा कि अभी और जायेगा। तो कहा नहीं अभी भर गया। अभी और नहीं जायेगा। प्रोफेसर ने छोटे-छोटे पत्थर निकाले और कहा डालो उसके अंदर, जायेगा। जो गैप थी उससे सारे छोटे-छोटे पत्थर भीतर चले गए। तो पूछा कि और जायेगा, तो कहा कि अभी नहीं जायेगा ये तो फुल हो गया। प्रोफेसर ने बालू निकाली और कहा कि ये डालकर देखो कि ये जायेगा, वो भी चली गई। फिर पूछा अभी और कुछ जायेगा। तो कहा अब बिल्कुल कुछ नहीं जायेगा। प्रोफेसर पानी लेकर आये और कहा डालो, वो भी चला गया।

गीता ज्ञान का आध्यात्मिक रहस्य

-राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.उषा

टोक-राज.। शाश्वत यौगिक खेती प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि विधायक अजीत मेहता, परियोजना कृषि निदेशक राजेन्द्र कुमार खण्डेलवाल, ब्र.कु.राजु एवं ब्र.कु.सुष्मा।

सरहिन्द-पंजाब। चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए बैंक मैनेजर संजीव कुमार। साथ हैं बैंक मैनेजर गुरमीत सिंह तथा ब्र.कु.साक्षी।

रीवा-म.प्र.। कुठीला में सर जी.वी.एस स्कूल में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.निर्मला। साथ हैं प्रसिद्ध विचारक पत्रकार मधुकर द्विवेदी तथा अन्य।

मंगरुलपीर-महा.। व्यसन मुक्ति अभियान का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए राज्यमंत्री सुभाष राव ठाकरे, डॉ.चंद्रकांत राठी, ग्रामीण अस्पताल के डॉ. बख्तावर, ब्र.कु.सचिन परव, ब्र.कु.रुक्मिनी एवं ब्र.कु.सारिका।

तेल्हारा-महा.। पूज्य श्री राजेशकृष्ण जी महाराज (श्रीधाम वृंदावन) को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.प्रमिला।

चोपड़ा-महा.। 'एक शाम प्रभु के नाम' कार्यक्रम में कला एवं संस्कृति प्रभाग की ओर से सर्व को शुभकामना देते हुए ब्र.कु. कुसुम। साथ हैं ब्र.कु. मिनाक्षी तथा ब्र.कु. दयाल।

माउण्ट आबू में दूरबीन चिकित्सा उपलब्ध

ग्लोबल हॉस्पिटल एन्ड रिसर्च सेंटर, माउण्ट आबू में सुविधाओं का विस्तार

दूरबीन शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ सेवाएं प्रतिदिन उपलब्ध

1. दूरबीन द्वारा पित्ताशय की पथरी, विभिन्न प्रकार की हर्निया, अपेन्डिक्स, पेट की गांठ आदि के ऑपरेशन प्रतिदिन।
2. डे केयर सर्जरी की सुविधा - सुबह ऑपरेशन, शाम छुट्टी।
3. ऑन डिमांड कॉस्मैटिक सूचर (हल्के से हल्के निशान वाले टांके)।
4. अन्य सभी प्रकार की सर्जरी सुविधा प्रतिदिन।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 09461307077

अलीबाग-महा.। साप्ताहिक 'रायगड का युवक' के वर्धापन दिवस पर ब्र.कु. भारती को उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार देते हुए जिला क्रीड़ा अधिकारी रिकामे बहन। साथ हैं सिडको के चेयरमेन प्रमोद हिंदुराव तथा संपादक जयपाल पाटिल और प्राध्यापक जवाहर मुथा।

राजकोट। जैन सोशल ग्रुप की ओर से आयोजित फन फेयर में आध्यात्मिक प्रदर्शनी स्टॉल पर समझाने के पश्चात् ब्र.कु. भगवती तथा ब्र.कु. छत्रपाल।

तराना-म.प्र.। चैतन्य देवियों की झांकी के उद्घाटन के पश्चात् समूह चित्र में उद्योगपति बलराम जाजू, पुष्पा जाजू, बक्शी जी, ब्र.कु.उषा, ब्र.कु.मीना, ब्र.कु.जगदीश तथा अन्य।

बकतरा- माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.सुनीता।

करजण-गुज.। "समय की पुकार - परमात्म शक्ति द्वारा स्वर्णिम संसार" के उद्घाटन समारोह पर दीप प्रज्वलन करते हुए ईला बा, जिला कॉंग्रेस प्रमुख चन्द्रकान्त भाई पटेल, ब्र.कु.निरंजना, ब्र.कु.दीपिका और ब्र.कु.नरेन्द्र।

नवी मुंबई-वाशी। रोटरी क्लब ऑफ नवी मुंबई में प्रवचन के पश्चात् क्लब प्रसीडेंट अमर नायर मंगलम्, फाउण्डेशन ट्रस्टी नरेश गुप्ता, प्रेम कुमार, ब्र.कु.शीला, ब्र.कु.प्रीति तथा अन्य।

पुणे-खड़की। सी.एफ.वी.डी के फैमिली वेल्फेयर कार्यक्रम में महिलाओं को मेडिटेशन क्लास व स्ट्रेस फ्री लिविंग का कोर्स कराते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी। पहली पंक्ति में ब्रीगेडियर की युगल श्रीमति कुशवाहा तथा कर्नल त्यागी की युगल एवं अन्य।

भीलवाड़ा-राज.। 'आंतरिक शांति एवं सद्भावना' विषय पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उद्योगपति शांतिलाल पानगड़िया, ब्र.कु. इन्द्रा, ब्र.कु. तरुण, ब्र.कु. तारा तथा अन्य।

तालापारा-छ.ग.। पावर प्लांट में भ्रष्टाचार के ऊपर भाषण देने के पश्चात् जनरल मैनेजर आर.एस.गुप्ता तथा एम.सी.साइ को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.रमा।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510

सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info, सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 170 रुपये, तीन वर्ष 510 रुपये, आजीवन 4000 रुपये । विदेश - 2000 रुपये (वार्षिक), कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road), Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH every month

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।